

दधौ; RAM. I. 16. 27.: क्षोभयेयुश्च वेगेन समुद्रम्.  
(Cambo-brit. *hwbiau* «to make a sudden push», abjecto क्, et ए mutato in h, v. Pictet p. 76.; Pottius apte confert gr. *κῶφος*, ejecto ए; huc etiam trahimus nostrum *schiebe*, cujus radix in germ. vet. sonat *scub* vel *scup*, transpositis क् + ए in sc.)

c. प्र i. q. simpl. MAN. 9. 254.: तस्य प्रक्षुभ्यते राष्ट्रम्. —  
c. प्र praef. सम् id. RAM. I. 52. 15.: सम्प्रक्षुभितमानस.  
c. वि Caus. id. DR. 7. 19.: सेनान् तवे भम् ... विक्षो-  
भितान् द्रव्यसि.

c. सम् id. DEV. 2. 35.: दृष्ट्वा समस्तं सङ्क्षुब्धन् त्रैलो-  
क्यम्.

नुर 6. P. (क्षिदने क. विलेखे खनने v.) findere, radere,  
scalpere, fodere; v. नुर et cf. खुर. (Gr. *ἐνρύ-  
ον*, v. नुर.)

नुर m. (r. नुर s. अ) 1) culter tonsorius. DR. 8. 24., *ubi  
ensem vel sagittam significare videtur*; RAGH. 7. 43.  
2) ungula, cf. खुर. (Gr. *ἐνρύ-  
ον*, v. नुर.)

नुरप्र m. (e नुर ungula et प्र, quae fortasse est praepositio  
in compositi fine posita) sagitta, cujus cuspis soleae fer-  
reae formam habet. RAGH. 9. 62. 11. 29.

नुरिन् m. (a नुर s. इन्) tonsor. AM.

नुरी f. (a नुर signo fem. ई) culter.

नुरेत्त n. (r. नुरि s. त्र) 1) campus. BH. 1. 1. (Goth. *haiþhi*,  
Th. *haiþhjō* ager, nostrum *Heide*, ejecto ए). 2) corpus.  
BH. 13. 1. 3) uxor. MAH. 1. 4661.

नुरेत्त m. (e praec. et इत्त qui novit) anima. MAH. 1. 3018.

नुरेप m. (r. नुरिप s. अ) contemtio. MAH. 1. 559.

नुरेपणीय n. (r. नुरिप s. अनीय) jaculum, missile. RAGH.  
4. 77.

नुरेपिष्ठ Superl. तौ नुरिप v. gr. 251.

नुरेपीयस् Compar. तौ नुरिप, v. gr. 251.

क्षेम 1) bonus, felix, faustus. SA. 5. 97. 2) m. n. felicitas.  
H. 4. 51. BR. 1. 20.

क्षेमङ्कर m. (e क्षेम in accus. et कर faciens) n. pr. DR. 2. 7.

क्षेमिन् (a क्षेम s. इन्) felix. N. 12. 121.

क्षी 1. P. क्षायामि (क्षये) perire, interire; cf. क्षि et क्षी.

क्षीणि f. terra.

क्षीणी f. id. AM.

क्षोभ m. (r. क्षुभ s. अ) agitatio, permotio, perturbatio. SU.  
1. 16.

क्षौद्र n. (a क्षुद्रा apis s. अ) mel. R. Schl. II. 14. 33.

क्षौम (Fem. क्षौमी) linteus. R. Schl. I. 74. 3.

क्षौर n. (a क्षुर s. अ) actio barbam tondendi. HIT. 101. 6.:  
क्षौरङ् कृत्वा.

क्षौरङ् कृत्वा.

1. क्षण 2. P. क्षणामि (तेजने) acuere.

2. क्षण 2. A.: क्षणवे (अपनयने) abducere, auferre.

क्षमा f. (e क्षमा ejecto अ) terra. RAGH. 18. 8.

क्षमाय् 1. A. (विधूनने; ut videtur, Denominativum a क्षम  
vel क्षमा, ejecto अ) agitare, concutere, quassare.

क्षमील् 1. P. (निमेषणे क. निमेषे v.) oculos dejicere, ni-  
ctari (क्षमील् compositum esse censeo ex क्ष्, mu-  
tilato ex अक्षि vel अक्ष oculus, et मील्, quod idem va-  
let ac क्षमील्.)

1. क्षिद् 1. P. (अव्यक्ते शब्दे क. कृञने v.; scribitur etiam  
क्षिद्) sonare.

2. क्षिद् 1. A. (मोक्षे स्नेहे; scribitur etiam क्षिद्) liberare;  
amare.

3. क्षिद् 4. P. (मोचने; scribitur etiam क्षिद्) liberare.

क्ष्वेल् 1. P. (गतौ क. चालगत्योः v.) ire, se movere. (For-  
tasse huc pertinet germ. vet. *suillu* turgeo, rad. et  
praet. *sual* vel *suall*, suppresso posteriore diphthongi  
ए elemento.)